कृत्रिम बुद्विमता का भविष्य में अपार सम्भावनाएं

Dr. Hari Ram, Assistant Professor, Crescent College of Education, Fatehabad

सारांश

आज विश्वभर में कृत्रिम बुद्विमता का प्रचार जोर–शोर से शुरू हो चुका है। आज के अनुसार भविष्य में इसके द्वारा सारे काम किये जा सकते है जो प्रत्येक मानव आज कर रहा है, इसमे कोई संदेह नही होगा क्योकि जिस प्रकार इसका उपयोग तेजी से विभिन्न क्षेत्रों में हो रहा है, चाहे वो शिक्षा के क्षेत्र मे, व्यापार में आदि अनेक हर क्षेत्र में भविष्य में अपार सम्भावनाए देखने को मिलती है। विश्वभर में जितने भी प्राणी रहते है उन सबसे ज्यादा बुद्विमान मानव है क्योकि मानव ने अपनी बुद्वि और अटूट इच्छा से नए–नए अविष्कार किए है। जिसमें से एक कृत्रिम बुद्विमता का अविष्कार आज तेजी से हो रहा है। जैसे किसी को देखकर, सुनकर या फिर स्पर्श करके, यह पता लगाया जा सकता है कि अब क्या करना है, इस तरह यह सारी प्रक्रिया एक मषीन के द्वारा की जाती है जिसे हम आज कृत्रिम बुद्विमता कहते है।